भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. **+1803**
सोमवार, 02 मार्च, 2020/**12** फाल्गुन, 1941 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

गोवा में नए पर्यटन सर्किट का विकास

+1803. **श्री फ्रांसिस्को सर्दिन्हाः**

क्या **पर्यटन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की अपनी स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत प्रस्तावित ईको-सर्किट के अतिरिक्त गोवा में चर्चों जैसी कोई नयी पर्यटन सर्किट विकसित करने की योजना है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं**?**

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) और (ख) : पर्यटन मंत्रालय एक सुनियोजित और प्राथमिकता प्रदत्त तरीके से देश में थीमैटिक परिपथों का विकास कर रहा है। इस योजना के अंतर्गत विकास हेतु परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/ केंद्रीय एजेंसियों के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, संगत योजना दिशा-निर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी निधियों की उपयोगिता की शर्त पर उन्हें स्वीकृति प्रदान की जाती है। मंत्रालय ने गोवा में निम्नलिखित दो परियोजनाओं को स्वीकृति दी है:

- वर्ष 2016-17 में 99.99 करोड़ रुपए की राशि से सिंक्वेरीम- बागा, अंजुना- वेगेटर, मोरजिम- कैरी, अगुआदा किला और अगुआदा जेल का विकास।
- वर्ष 2017-18 में 99.35 करोड़ रुपए की राशि से रुआ डी ओरम क्रीक- डोना पाऊला - कोलवा- बेनॉलिम का विकास।

****